पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

खण्ड – 'अ'

आधुनिक काव्य

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरीऔध
   प्रिय प्रवास – सर्ग 6 प्रथम 40 छंद

2. मैथिलीशरण गुप्त
   साकेत – नवम सर्ग
   1. वेदने तू भी भली बनी ..... पाऊं प्राण धनी
   2. निरखी सखी ये खंजन आये ..... अश्रु सूखा कर लाये
   3. विरह संग अभिसार भी ..... और एक संसार भी
   4. दोनों और प्रेम पलता है ..... मुझे यही खलता है।
   5. आ आ मेरी निंदिया गूंगी..... मैं न्यौछावर हूँ जी
   6. कहती मैं, चातकि फिर बोल ..... उर कै कल–कल्लोल
   7. सखि निरखि नदी की धार ..... आगे नहीं सहारो

   यशोधरा
   1. सखि, वे मुझसे कहकर जाते
   2. अब कठोर हो बज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी
   3. हे मन आज परीक्षा तेरी

3. जयशंकर प्रसाद
   कामायनी – श्रद्धासर्ग – प्रथम 20 छंद
   आंसू – रो–रोकर सिसक–सिसक कर कहता..... कुछ सच्चा स्वयं बना था

4. सुमित्रानंदन पंत
   1. प्रथम रश्मि
   2. मौन निमन्त्रण
   3. द्रुत झरो

5. अज्ञेय
   1. बाबरा अहेरी
   2. भीतर जागा दाता
   3. सॉप
   4. यह दीप अकेला

6. मुक्तिबोध
   1. जन जन का चेहरा एक
   2. दूर–तारा
   3. खोल आंखें

7. धूमिल
   1. प्रौढ़ शिक्षा
   2. मोचीराम

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Helpstudentpoint.com

8. दुष्यन्त

1. इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है, नाव जर्जर ही सही, लहरों में टकराती तो है।
2. खँडहर बचे हुए हैं, इमारत नही रही, अच्छा हुआ कि सर पे कोई छत नहीं रही।
3. परिन्दे अब भी पर तोले हुए हैं, हवा में सनसनी घोले हुए हैं।
4. एक .कबूतर, चिट्ठी लेकर, पहली–पहली बार उड़ा, मौसम एक गुलेल लिये था पट से नीचे आन गिरा।
5. एक गुड़िया की कई कठपुतलियों में जान है, आज शायर, ये तमाशा देखकर हैरान है।
6. होने लगी है जिस्म में जुंबिश तो देखिए, परकटे परिन्दे की .कोशिश तो देखिए।
7. अब किसी को भी नजर आती नहीं कोई दरार, घर की हर दीवार पर चिपके हैं इतने इश्तहार।
8. हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
9. बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, और नदियों के किनारे घर बने हैं।

खण्ड – 'ब'

आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ – राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता

अंक विभाजन

खण्ड – 'अ'

कुल चार व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 4 X 10 = 40 अंक

कुल तीन निबन्धात्मक प्रश्न – एक कवि से संबंधित एक ही प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

3 X 15 = 45 अंक

खण्ड – ब में से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प देय 15 अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Helpstudentpoint.com

बी. ए. तृतीय वर्ष – हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र– (निबन्ध, उपन्यास और काव्यशास्त्र)

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

खण्ड – क

उपन्यास – निर्मला – प्रेमचन्द

खण्ड – ब

एकांकी

बालकृष्ण भट्ट	–	साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है
रामचन्द्र शुक्ल	–	क्रोध
हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
नन्द दुलारे वाजपेयी	–	छायावाद
रामविलास शर्मा	–	संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका
विद्यानिवास मिश्र	–	मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

खण्ड – स

अलंकार	–	परिभाषा तथ महत्व (अनुप्रास यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, अपहुति)
छन्द	–	परिभाषा तथा महत्व (दोहा, चौपाई, छप्पय, रोला, मालिनी, शिखरणी, द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका)
रस	–	परिभाषा, रस के अवयव और रस सिद्धान्त
गुण	–	माधुर्य, ओज, प्रसाद
शब्द शक्ति	–	अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएँ – दो व्याख्याएँ उपन्यास खण्ड से
दो व्याख्याएँ निबन्ध से (आंतरिक विकल्प देय)
09 × 04 = 36 अंक

चार आलोचनात्मक प्रशन– (खण्ड अ व ब में से) 14 × 04 = 56 अंक

दो टिप्पणियाँ– (खण्ड स में से (आन्तरिक विकल्प देय) 02 × 04 = 08 अंक

Dy. Registrar
(Academic)

Helpstudentpoint.com